

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्,
देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-१

देहरादून दिनांक ३/ मार्च, 2014

विषय:-उत्तराखण्ड ग्रामीण पर्यटन उत्थान योजना (पर्यटन ग्राम क्लस्टर योजना) के सम्बन्ध में।

महोदय,

विविध प्रकार की पर्यटन गतिविधियाँ जो कि ग्रामीण क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को ग्रामीण परिवेश में परिलक्षित करने तथा ग्रामों में बसने वाले समुदायों की वित्तीय, सामाजिक तथा आर्थिक अवधारणा को जागृत कर पर्यटकों एवं ग्रामीणों के मध्य आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुये ग्रामों में रोजगार सृजन के लिये ग्रामीण पर्यटन विकास की अवधारणा तथा उत्तराखण्ड में देशी एवं विदेशी पर्यटकों को अधिक से अधिक संख्या में आकर्षित करने के उद्देश्य से पर्यटन ग्रामों के विकास किये जाने हेतु मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल “उत्तराखण्ड ग्रामीण पर्यटन उत्थान योजना” प्रारम्भ करने की निम्नलिखित विवरणानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

1. इस योजनान्तर्गत ऐसे ग्राम जो पर्यटन की दृष्टि से विशेष आकर्षण रखते हैं, को पर्यटन ग्राम क्लस्टर के रूप में विकसित किया जायेगा। योजना के निम्नलिखित मुख्य घटक होंगे :—

- (i) योजना पूर्णरूपेण ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगी।
- (ii) इसके अन्तर्गत निम्न तीन श्रेणियों में लाभ प्रदान किया जायेगा:—
 - (अ) पर्यटक ग्रामों का समूह
(न्यूनतम ३ ग्राम, अधिकतम १० ग्राम, केवल वहीं समूह जो चयन समिति द्वारा पर्यटन ग्राम घोषित किये जायेंगे)।
 - (ब) एकल ग्राम (चयन समिति द्वारा घोषित पर्यटन ग्राम)
 - (स) व्यवितरण
(केवल उपरोक्त घोषित पर्यटन ग्राम अथवा पर्यटन ग्राम समूह में निवासरत व्यक्ति)

(4) सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट तथा सीवरेज मैनेजमेंट हेतु सुधार कार्य

(5) साहसिक खेल तथा जल कीड़ाओं का आयोजन एवं इससे सम्बन्धित उपकरणों का क्रय

(6) स्मारकों का रख-रखाव

(7) साइनेज की स्थापना

(8) स्वागत केन्द्र

(9) जन सुविधायें, पेयजल सुविधायें, रैन शेल्टर, व्यू पाइन्ट, स्नान घाटों का निर्माण, खुला रंगमंच, आवासीय सुविधाओं का विकास

(10) स्थानीय ट्रैक रूट/नेचर ट्रेल का विकास

(11) पर्यटकों के आवास हेतु निजी क्षेत्र में होम स्टे योजना का विकास (ग्रामीण पर्यटन के अन्तर्गत बेराजगार नवयुवकों को वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना में उनके द्वारा प्रस्तावित परियोजना हेतु वरीयता प्रदान कर लाभान्वित किया जायेगा।)

(ii) साफ्टवेयर (प्रशिक्षण व्यवस्था)

- (1) फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी
- (2) जागरूकता प्रशिक्षण
- (3) होटल उद्योग एवं गाईड
- (4) कौशल विकास
- (5) अंग्रेजी भाषा का प्रारम्भिक प्रशिक्षण
- (6) महिला स्वयं सहायता समूह
- (7) प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण संरक्षण
- (8) स्वास्थ्य एवं हाईजेनिक
- (9) आतिथ्य सत्कार

3. चयन प्रक्रिया— योजना हेतु व्यक्तिगत, एकल ग्राम एवं ग्रामों के समूह का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निम्नवत गठित समिति द्वारा किया जायेगा :—

(i) जिलाधिकारी	अध्यक्ष
(ii) अधिशासी अधिकारी, जिला पंचायत	सदस्य
(iii) जिलाधिकारी द्वारा नामित दो सदस्य	सदस्य
(iv) जिला पर्यटन विकास अधिकारी	सदस्य / सचिव

4. वित्तीय स्वीकृति / सहयोग :—

- (i) एकल ग्राम हेतु अधिकतम ₹ 50.00 लाख (हार्डवेयर) एवं ₹ 10.00 लाख (सोफ्टवेयर) अनुमन्य होंगे।
- (ii) ग्रामों के समूह (क्लस्टर) हेतु अधिकतम ₹ 200 लाख (हार्डवेयर) एवं ₹ 25 लाख (सोफ्टवेयर) हेतु अनुमन्य होंगे।